PURVOTTAR संवाद

2025 वार्षिकांक

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की ई-पत्रिका

इस अंक में .....

- समुत्कर्ष महाशिविर
- प्रागज्योतिषपुर साहित्य उत्सव
- पूर्वोत्तर शिक्षा सम्मेलन
- कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार

/ PurvottarSamwad

Footprint in Northeast Bharat

Schools 648

Students 1,78,773

University 1

College 1

Ekal Shiksha Kendra 822

Students: 19,162

Vidya Bharati in North East

- 1st School: 1979, Ambikagiri Nagar, Guwahati
- Spread across Assam, Manipur, later all NE states
- Separate registered societies in each state

At Present

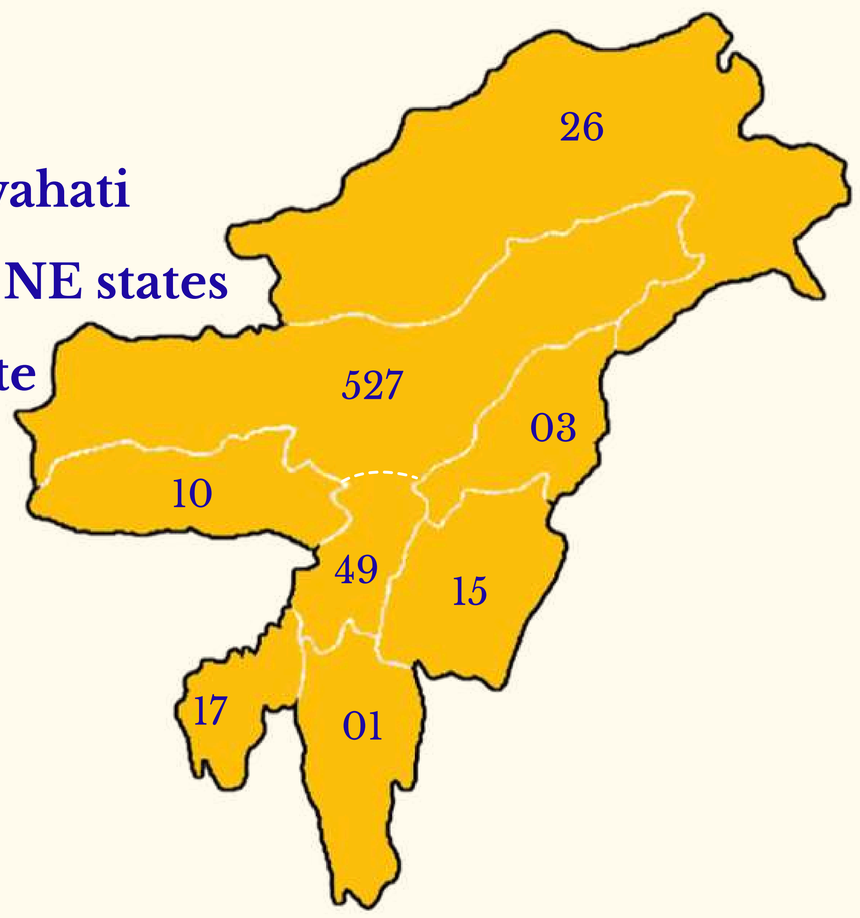

Samitis: 9 | Trusts: 2

PURVOTTAR संवाद

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र
प्रथम तल, असम प्रकाशन भारती,
(श्रद्धांजलि कानन के सामने),
राधा गोविन्द बरुआ रोड, गुवाहाटी -05, असम

क्षेत्रीय अध्यक्ष
प्रो. गंगा प्रसाद परसाई

क्षेत्रीय मंत्री
डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी

क्षेत्रीय संगठन मंत्री
डॉ. पवन तिवारी

सम्पादक
डॉ. बिनीता भगवती

क्षेत्र संयोजक, प्रचार विभाग
श्री विकाश शर्मा

सम्पादकीय

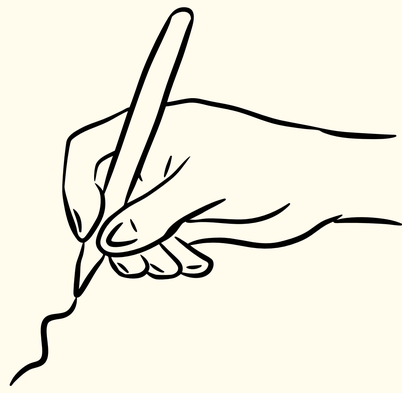

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक समाचार पत्रिका "पूर्वोत्तर संवाद" का वर्ष 2025 का विशेषांक पाठकों के समक्ष ई-पत्रिका के रूप में प्रस्तुत करते हुए हमें विशेष प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। डिजिटल माध्यम से यह अंक अधिक व्यापक पाठकवर्ग तक पहुँच सके, इसी उद्देश्य से इसे ई-स्वरूप में प्रकाशित किया गया है।

यह विशेषांक विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वर्षभर की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों का संकलित स्वरूप है। इसमें समुत्कर्ष महाशिविर जैसे प्रेरणादायी आयोजन, प्रागज्योतिषपुर साहित्य उत्सव के माध्यम से साहित्य और बौद्धिक विमर्श की समृद्ध परंपरा तथा पूर्वोत्तर शिक्षा सम्मेलन में हुए गहन चिंतन और संवाद को विस्तार से समाहित किया गया है। ये सभी आयोजन न केवल विद्या भारती की शैक्षिक दृष्टि को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि पूर्वोत्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रतिष्ठित करते हैं।

इस अंक में कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार के माध्यम से जनजातीय एवं शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों और संस्थाओं के सम्मान का विवरण भी सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में आयोजित विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेल, प्रशिक्षण एवं सेवा गतिविधियों तथा प्राप्त उपलब्धियों का संकलन इस विशेषांक को और भी समृद्ध बनाता है।

"पूर्वोत्तर संवाद" केवल समाचारों का संग्रह नहीं, बल्कि यह उस सतत प्रयास का प्रतिबिंब है जिसके माध्यम से विद्या भारती भारतीय संस्कृति आधारित, मूल्यनिष्ठ एवं सर्वांगीण शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि यह विशेषांक शिक्षकों, कार्यकर्ताओं, अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा विचारशील पाठकों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

इस अवसर पर हम सभी संपादकीय सहयोगियों तथा विद्या भारती के समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सतत सहयोग से यह ई-पत्रिका साकार हो सकी। आशा है कि पूर्वोत्तर संवाद – 2025 पाठकों को पूर्वोत्तर क्षेत्र की शैक्षिक चेतना, सांस्कृतिक ऊर्जा और संगठनात्मक सामर्थ्य से जोड़ने में सफल रहेगा।

PURVOTTAR संवाद 2025

समुत्कर्ष महाशिविर

SAMUTKARSH MAHASHIVIR
Guwahati, 29-31 January 2025
Vidya Bharati Purvottar Kshetra

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित समुत्कर्ष महाशिविर का भव्य एवं सफल आयोजन 29, 30 एवं 31 जनवरी 2025 को गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम मे सम्पन्न हुआ, जिसमें शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की पंचकोशात्मक अवधारणा को व्यवहार में साकार किया गया। इस महाशिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों में समग्र व्यक्तित्व निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

महाशिविर में 3492 बालक, 2068 बालिकाएँ, 698 आचार्य, हजारों अभिभावक, पूर्व छात्र एवं प्रबंध समिति के सदस्य सहभागी बने। पाँच नगरों एवं 27 आवास स्थलों के साथ सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। घोष, योग, शारीरिक अभ्यास, बिहू नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, परिचर्चाएँ तथा विविध सम्मेलन इस शिविर के प्रमुख आकर्षण रहे।

महाशिविर का उद्घाटन असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों में साहस, शील और संस्कार के महत्व पर बल दिया। उद्घाटन समारोह में असम सरकार के मंत्रीगण, विद्या भारती के अखिल भारतीय पदाधिकारी तथा अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। साथ ही, बृहद प्रदर्शनी का उद्घाटन असम के शिक्षा मंत्री श्री रनोज पेगू द्वारा किया गया, जिसमें शिक्षा, संस्कृति, स्वदेशी और जनजातीय परंपराओं से जुड़े अनेक स्टॉल लगाए गए।

पूर्वोत्तर लोक संस्कृति महोत्सव में क्षेत्रीय लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण उत्पन्न किया। पूर्व छात्र सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय कृष्ण गोपाल जी ने मार्गदर्शन दिया, जबकि मातृ सम्मेलन में मातृशक्ति की भूमिका पर प्रभावशाली विचार व्यक्त किए गए।

समापन समारोह में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा कि ज्ञान सबसे पवित्र तत्व है और प्राचीन भारत की गौरवशाली परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र को "इंडियन ट्रेडिशनल वर्ल्ड रिकॉर्ड" प्राप्त हुआ।

विस्तृत विवरण हेतु यहाँ **क्लिक** करें।

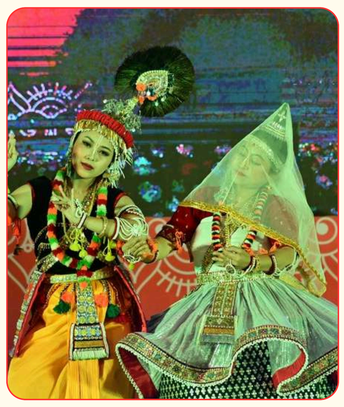

35वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता बरपेटा रोड, असम में संपन्न

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के तत्वावधान में शिशु शिक्षा समिति के सहयोग से 35वीं पंडित रजनीकांत देव शर्मा स्मृति क्षेत्रीय एवं प्रांतीय एथलेटिक्स खेल-कूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन 10 से 12 मई 2025 तक शंकरदेव शिशु निकेतन, बरपेटा रोड, असम में संपन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री मा. ब्रह्माजी राव, शिशु शिक्षा समिति, असम के महामंत्री जगन्नाथ राजवंशी, बीटीएडी के कार्यकारी सदस्य गौतम दास, क्षेत्रीय खेल प्रमुख रंजीत कुमार शईकिया एवं निकेतन की प्रबंधन समिति के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 400 से अधिक छात्र खिलाड़ी इस त्रिदिवसीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 22 विभिन्न एथेलेटिक्स स्पर्धाएँ आयोजित की गईं, जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी की गरिमामयी उपस्थिति एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन समापन समारोह में प्राप्त हुआ। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करते हुए कहा, “नए भारत के निर्माण में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शारीरिक शिक्षा केवल शरीर नहीं, बल्कि चरित्र, साहस एवं नेतृत्व विकास की आधारशिला है।”

समापन समारोह में डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अग्निवेश पांडे, प्राचार्य, सैनिक स्कूल मैनपुरी, डॉ. धनजीत डेका, सह मंत्री, शिशु शिक्षा समिति असम, रणजीत शईकिया ने विजेता खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान किया।

समारोह में गुवाहाटी विभाग को सर्वश्रेष्ठ टीम, लखीमपुर विभाग को श्रेष्ठ अनुशासन टीम, एवं शिवसागर विभाग को श्रेष्ठ मार्चपास्ट टीम के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा हाफलांग में सम्पन्न।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 17 एवं 18 मई 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर, हाफलांग में संपन्न हुआ। सभा का शुभारंभ डिमा हसाओ ऑटोनॉमस काउंसिल के मुख्य कार्यकारी सदस्य मा. देबोलाल गोरलोसा, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगा प्रसाद परसाई, एवं विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री मा. ब्रह्माजी राव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

वंदना के उपरांत दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉयचौधुरी ने प्रस्ताविक भाषण प्रस्तुत करते हुए क्षेत्रीय कार्यों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष श्री विकास नागपुरिया ने ऑडिट रिपोर्ट व बजट प्रस्तुत किया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ।

इस विशेष अवसर पर "शंतनु रघुनाथ शेण्डे पुरस्कार" से श्रीमती संगीता रॉय चौधुरी, प्रधानाचार्या, सरस्वती विद्या निकेतन, दक्षिण सिलचर को सम्मानित किया गया।

मुख्य कार्यकारी सदस्य देबोलाल गोरलोसा ने विद्यालय परिसर में स्थित श्रीकृष्ण बालक छात्रावास हेतु भोजन गृह के निर्माण का भूमि पूजन किया तथा प्रस्तावित प्रशिक्षण केंद्र हेतु सहयोग का आश्वासन भी प्रदान किया। सभा का वातावरण उस समय भावविभोर हो उठा जब मंच से “भू मण्डल पर भारत माँ की होगी जय जयकार” एकल गीत की पंक्तियाँ गूँजीं और सभागार देशभक्ति के भावों से ओतप्रोत हो गया।

अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में मा. ब्रह्माजी राव ने कहा, “विद्या भारती का कार्य पूर्वोत्तर की विविध और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रारंभ हुआ, लेकिन समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से आज यह राष्ट्रनिर्माण की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।”

सभा में असम की खेल मंत्री श्रीमती नंदिता गोरलोसा का भी पाथेय प्राप्त हुआ। प्रांत स्तरीय समितियों ने अपने कार्यों की रिपोर्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित 'समुत्कर्ष महाशिविर' की स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

क्षेत्रीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता बैठक हाफलांग में सम्पन्न।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की पूर्णकालिक कार्यकर्ता बैठक का आयोजन 19 मई 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर, हाफलांग में संपन्न हुआ। इस बैठक में अखिल भारतीय मंत्री मा. ब्रह्माजी राव एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक में हाल ही में संपन्न क्षेत्रीय वार्षिक साधारण सभा की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। साथ ही, आगामी माहों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रस्तावित प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव प्रदान किए।

पंचपदी अधिगम शिक्षण पद्धति पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा पंचपदी अधिगम शिक्षण पद्धति पर आधारित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 16 से 20 जून तक गुवाहाटी के मालीगांव स्थित सेवा भारती प्रकल्प, आदिंगिरि परिसर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को बालक-केंद्रित और व्यवहारिक शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना था।

पृ. 6 →

विद्या भारती विगत 73 वर्षों से भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक चेतना पर आधारित स्वदेशी शिक्षा प्रणाली का देशभर में प्रचार-प्रसार कर रही है। संस्था द्वारा संचालित हजारों विद्यालयों में शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रखकर चरित्र निर्माण, राष्ट्र चेतना, एवं व्यावहारिक जीवन मूल्यों से जोड़ा गया है। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत विकसित पंचपदी अधिगम पद्धति – ज्ञान प्राप्ति, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण और अभिव्यक्ति – विद्या भारती की एक विशिष्ट पहचान है, जिसे प्रारंभ से ही अपनाया गया है। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) में भी इस पद्धति को मान्यता दी गई है, जिससे इसकी प्रासंगिकता और महत्ता और अधिक स्पष्ट होती है।

प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ 16 जून को दीप प्रज्वलन एवं वंदना सत्र से हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदींद्र रायचौधुरी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और पंचपदी पद्धति को अपने-अपने राज्यों में प्रभावी रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने पंचपदी पद्धति को भारत की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा का जीवंत उदाहरण बताया।

इस अवसर पर शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती भी उपस्थित रहे। उन्होंने पंचपदी पद्धति को भारतीय शिक्षा की नवाचारयुक्त और मूल्यनिष्ठ आधारशिला बताया।

प्रशिक्षण के दौरान विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्षद्वय डी. रामकृष्ण राव एवं अवनीश भटनागर तथा अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रमुख अशोक कुमार पांडा ने पूर्णकालिक सहभागिता के साथ प्रतिभागियों को गहन मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण में कुल 20 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विशेषज्ञों द्वारा पंचपदी पद्धति – ज्ञान प्राप्ति, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण एवं अभिव्यक्ति – की व्यावहारिक प्रस्तुति दी गई।

20 जून को समापन सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पंचपदी पद्धति विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उन्हें चिंतनशील, आत्मविश्वासी और उत्तरदायी नागरिक बनाती है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रमुख अशोक पांडा, विद्या भारती नागालैंड के संगठन मंत्री पंकज सिन्हा, शिशु शिक्षा समिति, असम के महासचिव जगन्नाथ राजवंशी एवं अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह के दौरान आठ प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। समापन सत्र का संचालन दक्षिण असम के प्रशिक्षण प्रमुख श्री पिंकू मालाकार ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों व आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को शिक्षा में नवचेतना लाने वाला कदम बताया।

इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में पूर्वोत्तर भारत के सभी प्रांतों से आए 63 शिक्षाविदों ने भाग लिया। इसमें प्रधानाचार्य, आचार्य, प्रशिक्षण प्रमुख एवं विद्वत् परिषद के सदस्य सम्मिलित थे। यह आयोजन न केवल पारंपरिक भारतीय शिक्षण पद्धतियों की पुनर्स्थापना की दिशा में एक सशक्त पहल है, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक और व्यवहारिक परिवर्तन की संभावनाओं को भी पुष्ट करता है।

क्षेत्रीय प्रधानाचार्य एवं छात्रावास प्रमुख वर्ग

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 11 से 13 जुलाई 2025 तक अरूणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी स्थित अबोतानी विद्या निकेतन, जीरो में तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रधानाचार्य एवं छात्रावास प्रमुख वर्ग का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया। इस वर्ग में अरूणाचल प्रदेश, दक्षिण असम, मणिपुर, त्रिपुरा एवं मेघालय से आए प्रधानाचार्य एवं छात्रावास प्रमुखों ने सहभागिता की।

वर्ग के सत्रों में नेतृत्व क्षमता विकास, छात्रावास प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, दैनिक अनुशासन, शासकीय नीतियों के अनुपालन तथा सामाजिक दायित्व एवं जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इन सत्रों के माध्यम से शैक्षिक एवं छात्रावासीय व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया।

वर्ग का उद्घाटन श्री गौतम बनिया जी, द्वितीय कमान अधिकारी (2IC), 756 बीआरटीएफ द्वारा किया गया। सम्पूर्ण वर्ग के दौरान डॉ. पवन तिवारी जी, संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त पॉक्सो अधिनियम पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें श्री निरी चोंगरोवजू, सदस्य, अरूणाचल प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (APSCPCR) ने प्रतिभागियों को आवश्यक कानूनी जानकारी एवं जागरूकता प्रदान की।

‘सप्तशक्ति संगम’ कार्यशाला

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 26 जुलाई 2025 को गुवाहाटी स्थित असम प्रकाशन भारती भवन में ‘सप्तशक्ति संगम’ कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आगामी दिनों में क्षेत्रभर में आयोजित होने वाले मातृ सम्मेलनों की प्रभावी योजना एवं क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यशाला में 32 महिला कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। चार सत्रों में संपन्न इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शिका के रूप में अखिल भारतीय मंत्री एवं सुप्रसिद्ध

पृ. 8 →

चिकित्सिका डॉ. मधुश्री संजीव सावजी ने मातृशक्ति की भूमिका, स्वास्थ्य, संस्कार निर्माण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विद्या भारती विद्यत परिषद (पूर्वोत्तर क्षेत्र) की क्षेत्र संयोजिका डॉ. मिलन रानी जमातिया द्वारा किया गया। समापन सत्र में विद्या भारती अरुणाचल प्रांत की अध्यक्ष डॉ. जोरम आनिया ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत केंद्रित शिक्षा आवश्यक : विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा शैक्षणिक संगोष्ठी आयोजित

• गुवाहाटी में शैक्षिक संस्थाओं के साथ हुआ व्यापक विमर्श

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित एक दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी में पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों में शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने एक साथ मिलकर शिक्षा के बहुआयामी पक्षों पर गहन चर्चा की। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य था—राष्ट्रीय शिक्षा नीति, संस्कारयुक्त शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप सामूहिक प्रयासों को बल देना।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर कमलाबारी के सत्राधिकार जनार्दन देव गोस्वामी, मेघालय के मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. ब्रह्मदेव राम तिवारी, विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष दूसी रामकृष्ण राव और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगा प्रसाद परसाई ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। विद्या भारती वंदना के पश्चात क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने संगोष्ठी में उपस्थित सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का परिचय और सम्मान किया।

संगोष्ठी में धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े 18 शैक्षणिक संस्थानों से 42 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी संस्थाओं ने अपने-अपने कार्यों का विस्तार से परिचय देते हुए शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। जनार्दन देव गोस्वामी ने कहा कि शिक्षा में केवल ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कृति और संस्कार भी निहित होने चाहिए। हमें मतभेदों से ऊपर उठकर भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि उनके सत्र में आज भी गुरुकुल पद्धति से शिक्षा दी जा रही है, जो भारतीय परंपरा का जीवंत उदाहरण है। संगोष्ठी में इस बात पर सहमति बनी कि शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत सभी संस्थाओं को राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए साझा नीति और समन्वय के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

शतरंज एवं योगासन प्रतियोगिता

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा शतरंज एवं योगासन प्रतियोगिता का आयोजन 5 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक शंकरदेव शिशु निकेतन, बरपथार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न प्रांतों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

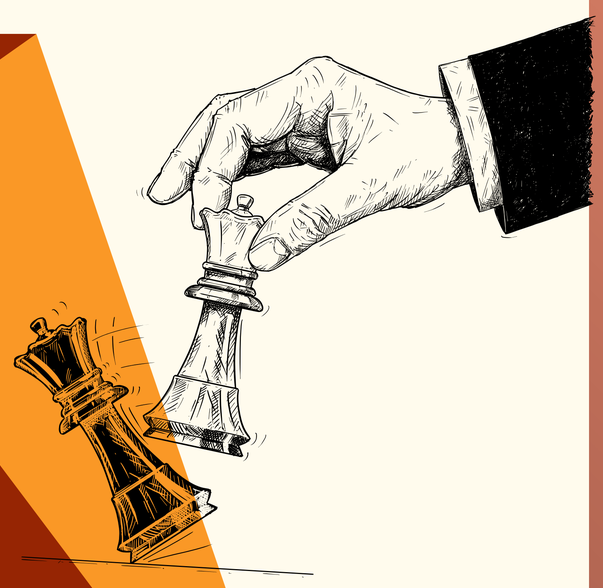

प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों एवं मार्गदर्शकों द्वारा विद्यार्थियों को खेल भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं जीवन में योग व खेलों के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। समापन अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

क्षेत्रीय योगासन कार्यशाला

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता हेतु चयनित योगासन खिलाड़ियों के लिए 21 से 23 अगस्त 2025 तक असम प्रकाशन भारती कार्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन शिशु शिक्षा समिति, असम के सचिव श्री जगन्नाथ राजबंशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

उद्घाटन सत्र में अंतरराष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के कांस्य पदक विजेता एवं एनवाईएसएफ प्रशिक्षक श्री कौशिक दास उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने शुभकामनाएँ दीं।

इस प्रशिक्षण में उत्तर व दक्षिण असम प्रांत के कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा योगासन का व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

क्षेत्रीय गणित मेला

विद्या भारती से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के तत्वावधान में 6 से 8 सितंबर 2025 तक शंकरदेव शिशु निकेतन, काजीरंगा (कहरा) में पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं प्रांत का गणित मेला सम्पन्न हुआ।

मेले का उद्घाटन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने अपने प्रेरक उद्बोधन के साथ किया। इस अवसर पर कर्नल अर्चित गोस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गोलाघाट जिले के विद्यालय निरीक्षक हेमगिरी नरह विशिष्ट अतिथि थे। वहीं विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदींद्र रायचौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए।

क्षेत्रीय विज्ञान मेला

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के तत्वावधान में पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं प्रांत का 23वां विज्ञान मेला विश्वनाथ चारियाली स्थित शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर अरण्य मानव के नाम से विश्वप्रसिद्ध एवं पद्मश्री सम्मान से अलंकृत श्री जादव पायेंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विश्वनाथ के विधायक श्री प्रमोद बरठाकुर, नगर निगम अध्यक्ष डॉ. अमरज्योति बरठाकुर, क्षेत्र विज्ञान प्रमुख श्री तपन शर्मा, उत्प्रांतर असम प्रांत विज्ञान प्रमुख श्री भास्कर दास, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर क्षेत्र की उल्लेखनीय सफलता

झारखंड में 11 से 15 सितंबर 2025 तक आयोजित विद्या भारती की 36वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र से 23 छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। कड़े एवं प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबलों के बीच खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए **8 स्वर्ण पदक, 3 रजत पदक एवं 6 कांस्य पदक** सहित **कुल 17 पदक अर्जित किए**। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र, शिशु शिक्षा समिति असम तथा स्थानीय शंकरदेव शिशु निकेतनों का गौरव बढ़ा है।

पदक विजेता एवं प्रतियोगिता में सहभागी सभी छात्र–छात्राओं को शिशु शिक्षा समिति, असम के सामान्य सचिव श्री जगन्नाथ राजबंशी, प्रादेशिक कार्यालय सचिव श्री परमेश्वर बरपूजारी, सह सचिव श्री माधव कलिता, असम प्रकाशन भारती के कार्यालय सचिव श्री हितेन्द्र प्रसाद गोस्वामी तथा विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यालय सचिव श्री लालजी सोनारिया द्वारा असम प्रकाशन भारती के सभागार में सम्मानित कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

उल्लेखनीय है कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 8 छात्र–छात्राओं का चयन एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु हुआ है।

राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप-2025 पूर्वोत्तर क्षेत्र का शानदार प्रदर्शन

विद्या भारती द्वारा आयोजित 36वां राष्ट्रीय खेल (कराटे) महोत्सव 13 से 16 नवंबर, 2025 तक श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा, उत्तर प्रदेश में सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर की टीम ने **9 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य** सहित **16 पदक** जीते।

प्रतियोगिता में शंकरदेव शिशु निकेतन, मथुरापुर की हिमाश्री मेछ और करण लामा; शंकरदेव शिशु निकेतन, राजाबाड़ी की दिशा तांती और मयूरी भूमिज; शंकरदेव शिशु निकेतन, चराइबाही के मिर्जा बेगम और माधुर्य फुकन; शंकरदेव विद्या निकेतन, रहा के अल्बियन बरदोलोई; शंकरदेव शिशु निकेतन, नाओबैचा के नबांशु प्रतिम बोरा; शंकरदेव शिशु निकेतन, पाटसांको शंकरदेव शिशु निकेतन के काव्यनाभ गोगोई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं पाटसांको शंकरदेव शिशु निकेतन के आइसेंगखाम बाइलुंग फुकन और शंकरदेव शिशु निकेतन, नाओबैचा के चित्रंच शेखिया ने रजत पदक जीते, जबकि शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतन, धींग के मृदु शिवम; शंकरदेव शिशु निकेतन, राजाबाड़ी की छात्रा गुड्डी तांती; शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतन, मोरीगांव की छात्रा मधुस्मिता बरदोलोई; शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतन, नया बाजार के तपन पेगू और शंकरदेव शिशु निकेतन, राजाबाड़ी के हिमांशु तांती ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का माना बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू से विद्या भारती के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की

अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू से विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चन्द्र महंत, प्रान्त संयोजक श्री सुकुमारन के., संरक्षक ताई तागक, प्रान्त मंत्री लोलेन जी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य में संचालित विद्या भारती के विद्यालयों द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं संस्कार-आधारित कार्यों पर सार्थक संवाद हुआ।

मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू ने कहा विद्या भारती के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों से ओतप्रोत होकर जीवन पथ पर अग्रसर होते हैं। भारतीय जीवन-दर्शन, चरित्र निर्माण और संस्कार आधारित शिक्षा के माध्यम से ये विद्यालय विद्यार्थियों को सशक्त, जिम्मेदार और राष्ट्रनिर्माण में सहभागी नागरिक के रूप में विकसित कर रहे हैं।

विद्या भारती के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी समाज और राष्ट्रहित में शिक्षा के माध्यम से सतत कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

नाहरलगुन में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक संपन्न

22–23 नवम्बर 2025 को नाहरलगुन स्थित पाचिन कॉलोनी में अरुणाचल शिक्षा विकास समिति (एएसवीएस) के कार्यालय परिसर में दो दिवसीय विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर 22 नवम्बर 2025 को एएसवीएस के नव-निर्मित कार्यालय कॉन्फ्रेंस हॉल का विधिवत उद्घाटन विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महन्त जी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह अरुणाचल शिक्षा विकास समिति के संरक्षक श्री ताई तागक जी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

दो दिवसीय कार्यकारिणी बैठक में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष श्री गंगा प्रसाद प्रसाईं जी, सचिव श्री जगदीन्द्र रायचौधरी जी, संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों से आए अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म ट्रस्ट को कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा 15 नवंबर 2025 कोकराझार स्थित साइंस कॉलेज के नीलकमल ब्रह्म सभागार में जनजाति गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री बसंत अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विद्या भारती के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा शंकरदेव शिशु निकेतन, कोकराझार के भैया-बहनों द्वारा प्रस्तुत वंदना से हुआ। इसके पश्चात बाथौ विद्या निकेतन, हालंग बाजार की बहनों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वर्ष 2025 का कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म ट्रस्ट, कोकराझार को प्रदान किया गया। पुरस्कार के अंतर्गत एक लाख रुपये की नकद राशि एवं स्मृति-उपहार प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री उल्हास कुलकर्णी ने स्वर्गीय कृष्णचंद्र गांधी के शिक्षा-कार्य को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्वोत्तर के दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार हेतु उल्लेखनीय योगदान दिया। मुख्य अतिथि असम सरकार के उच्च शिक्षा सलाहकार डॉ. देबब्रत दास ने जनजातीय शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि बीटीसी के कार्यकारी सदस्य श्री देरासात बसुमतारी ने विद्या भारती के कार्यों की सराहना करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री एवं जनजाति शिक्षा प्रभारी श्री ब्रह्मजी राव ने धरती आबा बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनजाति गौरव सम्मान 2025 हेतु चयनित पाँच जनजातीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। लगभग 500 लोगों की उपस्थिति में यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कोकराझार में पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा 15 नवंबर 2025 को कोकराझार में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य माननीय श्री उल्हास कुलकर्णी तथा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा समिति के मंत्री एवं जनजातीय शिक्षा प्रभारी श्री ब्रह्माजी राव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए जनजातीय समाज में शिक्षा की भूमिका और संस्कार आधारित शिक्षण व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया।

सभा में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी तथा शिशु शिक्षा समिति, असम के महासचिव श्री जगन्नाथ राजबंशी भी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री बसंत अग्रवाल ने की। इस अवसर पर समिति के सचिव डॉ. अभिजीत पायेंग ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष श्री सुमित काबरा ने वित्तीय वर्ष 2024–25 का आय-व्यय विवरण तथा वर्ष 2025–26 का प्रस्तावित बजट सदन के समक्ष रखा।

पिछली समिति का तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के कारण पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया गया। इसके पश्चात सर्वसम्मति से डॉ. देवब्रत दास को नई समिति का अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. देवब्रत दास ने उन्हें यह दायित्व सौंपने के लिए सदन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यकाल में सभी के सहयोग से जनजातीय शिक्षा के क्षेत्र में कार्य को और सशक्त करने का संकल्प व्यक्त किया।

सभा के अंत में उत्तर असम क्षेत्र के जनजातीय शिक्षा प्रमुख श्री मधु नारजारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में पूर्वोत्तर के विभिन्न प्रांतों के संयोजक, जनजातीय शिक्षा प्रमुख, उत्तर असम के पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं एकल कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की नवगठित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की घोषणा 15 दिसंबर 2025 को गुवाहाटी स्थित असम प्रकाशन भारती के सभागार में आयोजित बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. देबव्रत दास ने की और यह ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुई।

बैठक में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्र मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधरी, क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. पवन तिवारी ने अब तक के कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. देबव्रत दास ने सुलभ, समावेशी और सर्वांगीण शिक्षा पर बल दिया।

शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय की प्रायोजक संस्था शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की वार्षिक साधारण सभा 22 जून 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वर्ष 2021 में स्थापित इस संस्थान ने अल्प समय में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। नॉर्थ ईस्ट कॉन्क्लेव–2021 के सफल आयोजन से लेकर प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर इंडो–आसियान स्ट्रैटेजिक स्टडीज (CIASS) जैसे शैक्षिक उपक्रमों के माध्यम से संस्थान ने शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में तृतीय वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया जारी है और विद्यार्थियों से इसे अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

सभा का आयोजन संस्थान के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक श्री वशिष्ठ बुजुरबुआ, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री श्री के. एन. रघुनंदन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संस्थान की सचिव प्रोफेसर सुदेष्णा भट्टाचार्य ने स्वागत भाषण देते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं कोषाध्यक्ष श्री विकाश नागपुरिया ने वर्ष 2024–25 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तथा वर्ष 2025–26 का बजट प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गंगा प्रसाद प्रसैन, प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. स्मृति कुमार सिन्हा सहित अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की उपस्थिति रही।

प्रागज्योतिषपुर साहित्य उत्सव–2025 का भव्य आयोजन

शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के तत्वावधान में आयोजित “प्रागज्योतिषपुर साहित्य उत्सव–2025” 14 से 16 नवंबर 2025 को गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के डॉ. बाणीकांत काकति प्रेक्षागृह में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह साहित्य उत्सव अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक जड़ों की खोज की भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहा है।

उद्घाटन सत्र की मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साहित्यकार शेफाली वैद्य रहीं। उन्होंने असमिया भाषा में अपने वक्तव्य की शुरुआत करते हुए भूपेन हाजरिका के गीतों का उल्लेख किया और असमिया को एक समृद्ध भाषा बताया। उन्होंने कहा कि यह साहित्य उत्सव नई पीढ़ी को अपनी परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक गौरव से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट साहित्यकार एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नंद सिंह बरकला ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत की सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और साहित्यिक गौरव पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान प्रेक्षागृह के समक्ष सुदाकंठ डॉ. भूपेन हाजरिका, जनप्रिय कलाकार जुबिन गर्ग एवं बांसुरी वादक दीपक शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उत्सव में “असमिया गीत साहित्य में परिवर्तन और विकास: नव्वे के दशक से वर्तमान तक” विषय पर विचार–विमर्श आयोजित हुआ, जिसका संचालन प्रसिद्ध गीतकार–संगीतकार गौतम शर्मा ने किया। इस सत्र में गीत साहित्य के शोधकर्ता दिगंत भारती, तरुण कलिता और इब्सन लाल बरुआ ने अपने विचार रखे। सत्र में 14 नवोदित एवं वरिष्ठ कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

उद्घाटन सत्र में “प्रागज्योति” शीर्षक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2025 के प्रागज्योतिषपुर साहित्य पुरस्कार से तिवा समाज, साहित्य, संस्कृति एवं इतिहास के प्रख्यात शोधकर्ता मनेश्वर देउरी को तथा प्रागज्योतिषपुर युवा साहित्य पुरस्कार से उभरती कथाकार स्रोतस्विनी तमुली को सम्मानित किया गया। दोनों पुरस्कारों में मानपत्र, पारंपरिक चेलेंग–चादर एवं नकद राशि प्रदान की गई।

तीन दिवसीय इस साहित्य उत्सव के समापन समारोह में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार डॉ. अपूर्व कुमार सैकिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समापन दिवस पर उपन्यासकार वीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य की कृतियों पर विश्लेषणात्मक चर्चा, प्रकृति साहित्य पर कार्यशाला तथा असमिया अनुवाद साहित्य के भविष्य पर गंभीर विमर्श भी आयोजित किए गए।

समग्र रूप से प्रागज्योतिषपुर साहित्य उत्सव–2025 साहित्य, संस्कृति, अनुवाद, प्रकृति और समकालीन विमर्शों का सशक्त संगम सिद्ध हुआ, जिसने असमिया साहित्य को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का मूल आधार है प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय : डॉ. हिमंत बिश्वा सरमा

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का केंद्र बनेगा प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय : सुरेश सोनी

गुवाहाटी, 17 अक्टूबर 2025। प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने अपने प्रतिष्ठा दिवस (स्थापना दिवस) का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय परिसर, हाजोंगबड़ी, चंद्रपुर में किया। देशभर के शिक्षाविदों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों ने इस अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिश्वा सरमा ने विश्वविद्यालय के समुत्कर्ष भवन (सभागार) एवं धनवंतरि भवन (फार्मेसी विभाग) का लोकार्पण किया, जबकि विदेश राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार (प्रवेश तोरण) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री जयंत मल्ल बरुआ, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री अशोक सिंहल तथा पूर्वोत्तर परिषद (NEC) के सचिव श्री सतिंदर कुमार भल्ला उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मा. सुरेश सोनी मुख्य वक्ता के रूप में पधारे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण संभव है, और प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय इसी उद्देश्य की दिशा में अग्रसर है।"

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिश्वा सरमा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि "असम के प्राचीनतम नाम 'प्राग्ज्योतिषपुर' के आधार पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि विश्वकल्याण की भावना का निर्माण करना है। उच्च तकनीकी शिक्षा के साथ आध्यात्मिकता और मानवता को भी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।"

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की 'कौमुदी' पत्रिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के चेयरमैन प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा, गुवाहाटी लोकसभा सांसद श्रीमती बिजुली कलिता मेधी, तथा शंकरदेव एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन (SERF) के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विद्या भारती के शैक्षिक आदर्शों से प्रेरित, भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा के आठ दशकों से अधिक अनुभव से समृद्ध तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं से मार्गदर्शित विद्या निकेतन संस्थान पिछले लगभग आधी सदी से असम में विद्यालय शिक्षा को एक नया आयाम देने का कार्य कर रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपराओं से परिचित कराने और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी, जो पूर्णत: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुरूप है।

प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर शिक्षा सम्मेलन 2025 आयोजित

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है मानव निर्माण – सुरेश सोनी

शिक्षा धन सर्वोत्तम है – राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य

गुवाहाटी, 18 अक्टूबर 2025। प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के परिसर में पूर्वोत्तर शिक्षा सम्मेलन 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने किया। उद्घाटन अवसर पर विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. कैलाश शर्मा, AICTE के चेयरमैन प्रो. टी.जी. सीताराम, तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी सहित अनेक गणमान्य शिक्षाविद उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं किताब वाले द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पुस्तक "भारत बोध – भारतीय ज्ञान परंपरा" का विमोचन किया।

सम्मेलन के अंतर्गत विभिन्न समानांतर सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इनमें उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के कुलपतियों एवं निदेशकों की बैठक, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय भाषाओं का संवर्धन, सामाजिक विज्ञानों का भविष्य, उद्यमिता, नवाचार एवं औद्योगिक संपर्क, उत्कृष्टता की दिशा में संस्थागत पहल (आईक्यूएसी) तथा उत्कृष्टता की दिशा में संस्थागत पहल (कॉलेज नेतृत्व) जैसे विषय प्रमुख रहे।

समापन सत्र में असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। त्रिपुरा सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री किशोर बर्मन विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मा. सुरेश सोनी मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर शंकरदेव शिक्षा एवं शोध संस्थान के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता, प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. स्मृति कुमार सिन्हा, पंजीयक प्रो. जोगेश काकती, तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सचिव प्रो. किरण हजारिका मंच पर उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक उद्बोधन में मा. सुरेश सोनी जी ने कहा कि केवल सैद्धांतिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है, मनुष्य को व्यावहारिक ज्ञान की भी आवश्यकता है। शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य मानव निर्माण होना चाहिए। हमें ऐसे आविष्कार और अनुसंधान की दिशा में अग्रसर होना चाहिए जिससे समस्त समाज का कल्याण हो सके। राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि सभी धन में शिक्षा धन सर्वोत्तम है, क्योंकि यह समाज और राष्ट्र दोनों के उत्थान का माध्यम बनती है।

काजीरंगा में तीन दिवसीय प्रांतीय योजना बैठक का आयोजन

शिशु शिक्षा समिति, असम द्वारा 13 से 15 फरवरी 2025 तक काजीरंगा में तीन दिवसीय प्रांतीय योजना बैठक का सफल आयोजन किया गया। यह बैठक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन, काजीरंगा (कहोरा) के प्रांगण में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ विद्या भारती के वरिष्ठ प्रचारक माननीय श्री योगेंद्र सिंह सिसोदिया जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

उद्घाटन सत्र में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रांतीय मंत्री श्री जगन्नाथ राजबंशी, विद्या भारती उत्तर असम प्रान्त के संगठन मंत्री श्री नीरव घेलाणी तथा काजीरंगा निकेतन प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष श्री विनोद शइकिया मंचासीन रहे।

प्रांतीय योजना बैठक की प्रस्तावना रखते हुए प्रांत संगठन मंत्री श्री नीरव घेलानी ने गत वर्ष आयोजित विभागीय प्रशिक्षण वर्गों, अभ्यास वर्गों, विभिन्न सम्मेलनों सहित समिति की समस्त वार्षिक गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने आगामी वर्ष की योजनाओं एवं कार्यदिशा पर भी प्रकाश डाला।

इस प्रांतीय योजना बैठक में शिशु शिक्षा समिति, असम के पदाधिकारी, विभिन्न विषयों के प्रांत प्रमुख, विभाग प्रमुख, संयोजक, निरीक्षक, काजीरंगा निकेतन प्रबंधन समिति के पदाधिकारी तथा आचार्य-आचार्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग

शिशु शिक्षा समिति, असम द्वारा 19 मार्च से 25 मार्च 2025 तक शंकरदेव शिशु निकेतन, बरगांग में सात दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में शिशु शिक्षा समिति, असम के संगठन मंत्री माननीय श्री नीरव घेलानी ने उद्घाटन भाषण दिया। इस अवसर पर प्रांतीय शिशु वाटिका संयोजिका श्रीमती वर्णाली देवी, क्षेत्रीय शिशु वाटिका संयोजक श्री आनंद सूत्रधार, निकेतन प्रबंधन समिति के सचिव श्री रंजन मिश्रा, तेजपुर विभाग निरीक्षक श्री धीरेंद्र शर्मा, बरगांग उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री चित्र रंजन राय तथा निकेतन की प्रधानाचार्या श्रीमती रत्ना चेत्री उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रांतीय प्रशिक्षण टोली की बैठक संपन्न

गुवाहाटी स्थित प्रकाशन भारती के सभागृह में 20 अप्रैल 2025 को प्रांतीय प्रशिक्षण टोली की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष माननीय श्री कुलेंद्र कुमार भागवती द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक का संचालन गुवाहाटी विभाग के प्रशिक्षण प्रमुख श्री शैलेन अधिकारी ने किया।

इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामान्य सचिव श्री जगदींद्र रायचौधुरी तथा शिशु शिक्षा समिति, असम के संगठनात्मक सचिव श्री नीरव घेलानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रस्तावना भाषण में श्री नीरव घेलानी ने कहा कि “लक्ष्य का व्यापक होना आवश्यक है।” उन्होंने गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से ऐसे सक्षम एवं दक्ष आचार्य–आचार्याओं के निर्माण पर बल दिया, जो विद्यार्थियों को प्रभावी और आकर्षक रूप से शिक्षित कर सकें। बैठक में आचार्य–आचार्याओं की दक्षता वृद्धि और छात्रों को रुचिकर शिक्षण प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रशिक्षण प्रमुख श्री धर्मदेव ब्रह्मचारी ने प्रशिक्षण में नवाचारी प्रयोगों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। वहीं, क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने कहा कि वर्षभर चलने वाले प्रशिक्षण संकुलों को निकेतन स्तर तक ले जाने में प्रशिक्षण विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी रहेगी।

मैट्रिक की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

गुवाहाटी, 4 मई (स.सं.)। हाल ही में घोषित मैट्रिक की परीक्षा में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के अंतर्गत संचालित शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के उत्कृष्ट परिणामों ने असम की जनता के बीच विद्या भारती के आदर्शों और मातृभाषा माध्यम के विद्यालयों की महत्ता को कई गुना बढ़ा दिया है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के मेधावी छात्र-छात्राओं को महानगर के जू रोड स्थित विष्णुपथ शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन के रजनीकांत देव शर्मा स्मृति सभागार में शिशु शिक्षा समिति, असम द्वारा आयोजित एक अभिनंदन और सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण से हुआ, जिसे श्रुति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गंगा प्रसाद प्रसैन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष और मालपानी परिवार ने संपन्न किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. प्रसैन के सामने शिशु शिक्षा समिति, असम के महासचिव जगन्नाथ राजवंशी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल संजीव बरदलै ने विद्या भारती के राष्ट्र निर्माण में योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि असम सरकार के उच्च शिक्षा सलाहकार देवव्रत दास ने विद्या भारती की संस्कारयुक्त शिक्षा प्रणाली को राष्ट्र के लिए आदर्श नागरिक निर्माण में सहायक बताया। सभा को समिति के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भागवती और सरोज मालपानी ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में 95 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को, पहली बार 100 फीसदी उत्तीर्ण होने वाले निकेतनों के प्रधानाचार्यों को तथा 100 फीसदी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण निकेतनों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण का संयोजन बीरूबाड़ी शंकरदेव शिशु निकेतन के प्रधानाचार्य अरूप बुजरबरुवा ने किया। प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार इस बार समिति के ब्रह्मपुत्र पाटी क्षेत्र के 529 निकेतनों में से 330 निकेतनों ने मैट्रिक परीक्षा में भाग लिया। कुल परीक्षार्थियों की संख्या 9960 थी, जिसमें से 94.03 फीसदी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। इनमें से 168 निकेतनों के सभी छात्र-छात्राएं 100 फीसदी उत्तीर्ण हुए। 541 छात्रों को डिस्टिंक्शन, 1670 को स्टार मार्क प्राप्त हुए। कुल 9960 में से 6143 छात्र प्रथम श्रेणी, 2857 द्वितीय श्रेणी और 365 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के अनुसार 692 छात्र-छात्राओं में से 657 उत्तीर्ण हुए, जिससे कुल सफलता दर 95 फीसदी रही। 44 निकेतनों में से 34 ने 100 फीसदी सफलता प्राप्त की। 19 छात्रों को डिस्टिंक्शन, 68 को स्टार मार्क्स मिले, 300 प्रथम श्रेणी, 250 द्वितीय और 107 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन सचिव डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति के संगठन सचिव नीरव घेलानी और सभी संबंधित अधिकारी, पूर्णकालिक कार्यकर्ता तथा सभी कार्यकर्ता वर्ग ने छात्रों की सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रांतीय संस्कृति महोत्सव

गुवाहाटी स्थित शंकरदेव विद्या निकेतन, हेंगराबाड़ी में 23 एवं 24 अगस्त 2025 को प्रांतीय संस्कृति महोत्सव–2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के माननीय सचिव श्री सुदर्शन ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रांतीय मंत्री श्री जगन्नाथ राजबंशी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

महोत्सव में कुल 122 प्रतिभागी सम्मिलित हुए, जिनमें 25 छात्र, 60 छात्राएं, 14 आचार्य, 21 आचार्याएं एवं अन्य सहयोगी सम्मिलित थे।

मुख्य अतिथि श्री सुदर्शन ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि वे कई वर्षों से शिशु शिक्षा समिति, असम से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि शंकरदेव शिशु निकेतन सांस्कृतिक समन्वय और संस्कार निर्माण के केंद्र हैं। संस्कृति केवल नृत्य और संगीत तक सीमित नहीं है, बल्कि भाषा, खान-पान और पारंपरिक वेशभूषा के ज्ञान से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि निकेतनों के विद्यार्थी संस्कार और सांस्कृतिक चेतना के कारण अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों से अलग पहचान बनाते हैं।

विद्या भारती शिक्षा संस्कृति न्यास की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

गुवाहाटी, 1 अगस्त (ख.सं.)। विद्या भारती शिक्षा संस्कृति न्यास की 2024-25 सत्र की वार्षिक साधारण सभा आज प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मेसी भवन के सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता न्यास के अध्यक्ष चांचिराम पायेंग ने की। सभा की शुरुआत में संयुक्त सचिव डॉ. रनमणि फुकन ने गत वर्ष की सामान्य सभा की कार्यविवरणी प्रस्तुत की। इसके पश्चात सचिव दीपक दास ने 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष अरुण चौधरी ने उस वर्ष का लेखा विवरण और 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया। न्यास द्वारा संचालित शंकरदेव शिशु निकेतन, हाजोंगबाड़ी की प्रगति रिपोर्ट एवं आय-व्यय का विवरण प्रधानाचार्य मंजुमोहन चक्रवर्ती ने प्रस्तुत किया। सभा के मुख्य अतिथि के रूप में प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. स्मृति कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। वहीं विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदीप राय चौधरी ने न्यास के उद्देश्य, दिशा और कार्यपद्धति पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उपेन राहा ने ग्राम्य समाज विकास में न्यास की भूमिका पर अपने विचार रखे और सुझाव प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष कुलेन्द्र कुमार भगवती, सचिव श्री जगन्नाथ राजवंशी, तथा न्यास के सदस्य संजीव माहेश्वरी, कृष्णा मृगांक बर्मन समेत अनेक गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

शंकरदेव शिशु निकेतन मालिगांव में 'सप्तशक्ति संगम' का आयोजन

विद्या भारती की योजना के अंतर्गत देशभर में चल रहे मातृशक्ति जागरण अभियान के क्रम में 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का आयोजन 12 नवंबर 2025 को शंकरदेव शिशु निकेतन, मालिगांव में किया गया। कार्यक्रम में लगभग 130 मातृशक्तियों की सहभागिता रही। दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुए इस आयोजन में प्रांतीय संस्कार केंद्र प्रमुख एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ता श्रीमती तनुजा कलिता ने सभाध्यक्ष का दायित्व निभाया।

इस अवसर पर विद्या भारती की अखिल भारतीय मंत्री डॉ. मधुश्री संजीव साव, राष्ट्र सेविका समिति उत्तर असम प्रांत की प्रांत प्रचारिका नीता देवी, क्षेत्रीय बालिका शिक्षा की सह संयोजिका कल्याणी ठाकुरिया, पूर्वोत्तर क्षेत्र की सप्तशक्ति संगम संयोजिका डॉ. मिलन रानी जमातिया तथा मातृ भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की संयोजिका अनिमा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन निकेतन की प्रधान आचार्या दीपा छेत्री ने किया, जबकि प्रस्ताविक भाषण कल्याणी ठाकुरिया द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. मधुश्री संजीव साव ने "परिवार प्रबोधन एवं पर्यावरण के प्रति भारतीय दृष्टिकोण" विषय पर संबोधन करते हुए परिवार में मातृशक्ति की भूमिका, संतान संस्कार तथा उनके व्यवहार के प्रभाव पर मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं नीता देवी ने "भारत के विकास में महिलाओं का योगदान" विषय पर प्रकाश डालते हुए प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक नारी शक्ति की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत समाज और राष्ट्रहित में योगदान देने वाली दो मातृशक्तियों श्रीमती जुबली पोद्दार वैश्य एवं श्रीमती पुरवी तालुकदार को सम्मानित किया गया। अंत में सामूहिक संकल्प पाठ के साथ 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रांतीय योग प्रशिक्षण वर्ग

विद्या भारती उत्तर असम प्रांत द्वारा 8 से 12 नवंबर 2025 तक सेवा भारती जनजाति छात्रावास, आदिंगिरि (गुवाहाटी) में प्रांतीय योग प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ प्रांतीय मंत्री श्री जगन्नाथ राजबंशी ने किया। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी एवं प्रांतीय योग प्रशिक्षण प्रमुख श्री अखिल शर्मा उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग में 10 विभागों से कुल 43 आचार्य-आचार्याओं ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों में कई योग विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। समापन समारोह में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री माननीय ब्रह्माजी राव ने योग को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुश्री संजीव साव तथा डॉ. मिलन रानी जमातिया भी उपस्थित रहीं।

प्रांतीय खेल समारोह

शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम द्वारा प्रांतीय खेल समारोह का आयोजन 28 से 30 अप्रैल 2025 तक असम विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस तीन दिवसीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में असम विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रद्युष किरण नाथ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के अध्यक्ष श्री निहारेंदु धर, संगठन मंत्री श्री महेश भागवत, प्रांतीय खेल प्रमुख श्री विवेक तिवारी तथा असम विश्वविद्यालय छात्र संघ के खेल सचिव श्री प्राणकृष्ण शैकिया ने भी सहभागिता की।

इस प्रांतीय खेल समारोह में विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के 12 विद्यालयों से आए कुल 49 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रांतीय प्राथमिक आचार्य प्रशिक्षण

शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम प्रांत द्वारा प्रांतीय प्राथमिक आचार्य प्रशिक्षण सरस्वती विद्या निकेतन, कर्णमधु (श्रीभूमि) में 21 से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में दक्षिण असम प्रांत के चार जिलों के विभिन्न विद्यालयों से कुल 55 आचार्य एवं आचार्याओं ने सहभागिता की।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या भारती के पूर्व छात्र तथा श्रीभूमि जिले के डीएसपी (बॉर्डर) श्री मानस प्रतिम चौधुरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरस्वती विद्या निकेतन, कर्णमधु के अध्यक्ष श्री आशीष चक्रवर्ती, विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के संगठन मंत्री श्री महेश भागवत, प्रांत निरीक्षक श्री अंजन गोस्वामी, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख श्री पिंकू मलाकार तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री समीरन चक्रवर्ती भी उपस्थित थे।

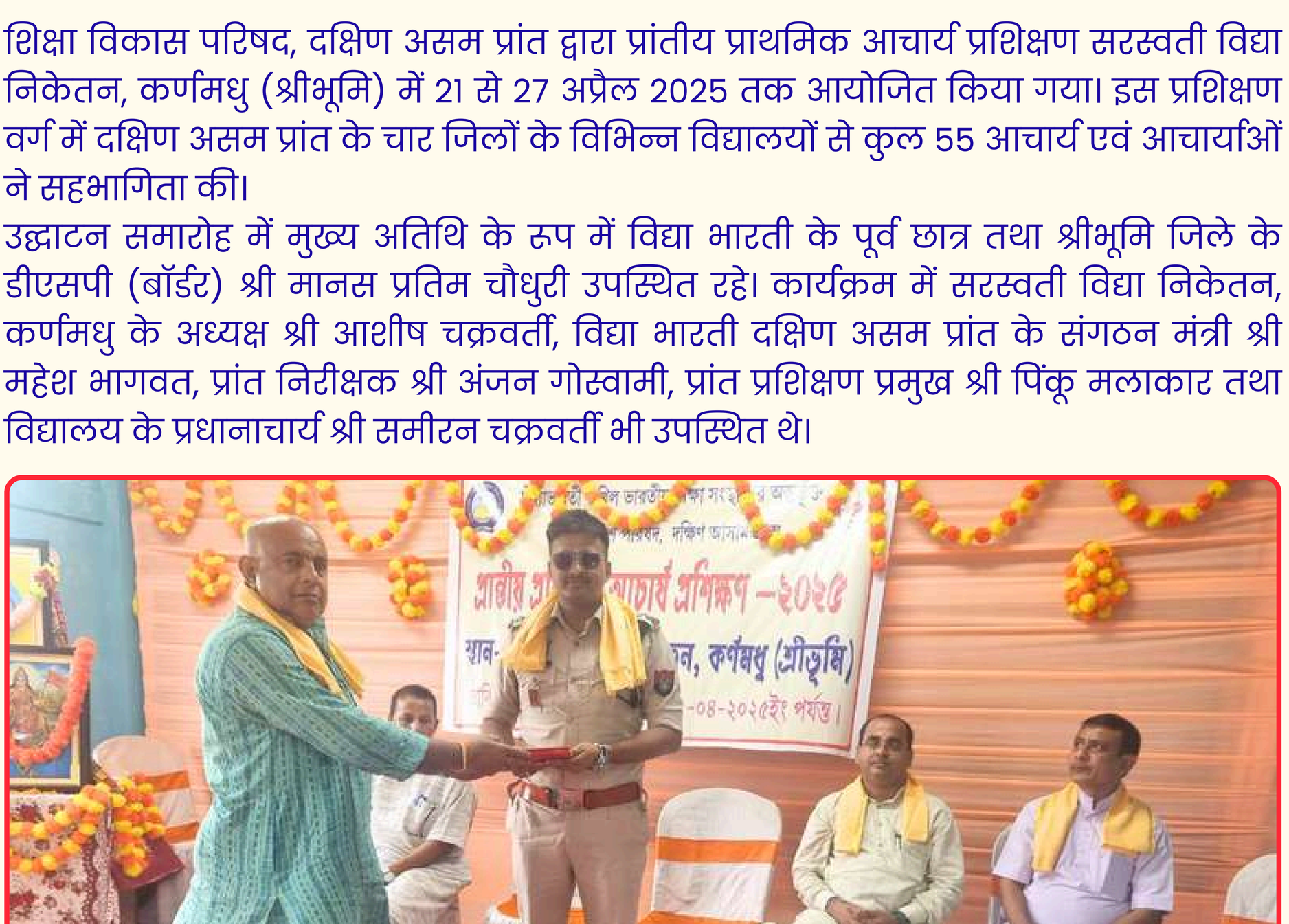

मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह

सिलचर के गुरूचरण कॉलेज प्रेक्षागृह में 25 मई 2025 को विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के अंतर्गत शिक्षा विकास परिषद के तत्वावधान में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दक्षिण असम प्रांत में विद्या भारती द्वारा संचालित काछार, श्रीभूमि, हैलाकांडी एवं दीमाहसाओ जिलों के वर्ष 2024–25 के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रांतीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक मेधा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यालयों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एनआईटी सिलचर के निदेशक श्री दिलीप कुमार वैद्य द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। समारोह में दक्षिण असम रेंज के डीआईजी श्री कंकनज्योति सैकिया, गुरूचरण कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अप्रतिम नाग, विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के अध्यक्ष श्री निहारेंदु धर, संगठन मंत्री श्री महेश भागवत, सचिव डॉ. दीपंकर पाल, शिक्षा विकास परिषद के मार्गदर्शक प्रो. निखिल भूषण दे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह में माध्यमिक परीक्षा में 53 स्टार एवं 21 डिस्टिंक्शन प्राप्त विद्यार्थियों, उच्च माध्यमिक परीक्षा में 15 स्टार एवं 7 डिस्टिंक्शन प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रांतीय प्राथमिक मेधा परीक्षा के 16 तथा उच्च प्राथमिक मेधा परीक्षा के 21 विद्यार्थियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने वाले 6 विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

समारोह में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में सचिव डॉ. दीपंकर पाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा वंदे मातरम् के सामूहिक गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सरस्वती विद्या निकेतन, मालुग्राम द्वारा बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित

सिलचर में जून 2025 में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु सरस्वती विद्या निकेतन, मालुग्राम, सिलचर के आचार्य-आचार्यों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत बाढ़ से प्रभावित परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

माध्यमिक आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम प्रांत द्वारा "माध्यमिक आचार्य प्रशिक्षण वर्ग–2025" का आयोजन 7 से 21 जुलाई 2025 तक सरस्वती विद्या निकेतन, श्रीभूमि में किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी सिलचर के निदेशक प्रो. दिलीप बैद्य महोदय उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. गीता साहा सहित शिक्षा विकास परिषद के प्रांतीय पदाधिकारी श्री निहारेंदु धर, श्री महेश भागवत, श्री अंजन गोस्वामी, श्री पिंकु मलाकार तथा अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर शिक्षा विकास परिषद के प्रांतीय वैदिक गणित प्रमुख श्री साधन कुमार दास के संपादन में तैयार "वैदिक गणित प्रवेशिका–2" पाठ्यक्रम का भी विधिवत विमोचन किया गया। यह पाठ्यपुस्तक शिक्षा विकास परिषद द्वारा संचालित सभी विद्यालयों में कक्षा तीन के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025–26 से लागू की जाएगी। आगामी शैक्षणिक वर्षों में क्रमशः उच्च कक्षाओं के लिए भी वैदिक गणित की पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की योजना है।

प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग

शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम प्रांत द्वारा 17 से 21 सितंबर 2025 तक आयोजित पाँच दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग–2025 का आयोजन श्रीमती जमुना देवी सरस्वती विद्या मंदिर, उमरांग्सो में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दिमा हसाओ ऑटोनोमस काउंसिल के ई.एम. श्री सामसिंग इंग्ति जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम प्रांत के सदस्य श्री होइचुंगलियेन खेलमा, क्षेत्र शिशु वाटिका संयोजक श्री आनंद सुत्रधर तथा प्रांत शिशु वाटिका संयोजक श्रीमती राखी दास की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग

शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम प्रांत द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग 2025 का आयोजन 17 से 21 सितंबर 2025 तक श्रीमती जमुना देवी सरस्वती विद्या मंदिर, उमरांग्सों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
प्रशिक्षण वर्ग में क्षेत्रीय शिशु वाटिका संयोजक श्री आनंद सूत्रधार एवं प्रांतीय शिशु वाटिका संयोजिका श्रीमती राखी रानी सहित अन्य विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थी आचार्यों का मार्गदर्शन किया।

जिला-केंद्र विद्यालय प्रमुख बैठक

सरस्वती विद्या निकेतन, मालुग्राम में शिक्षा विकास परिषद के तत्वावधान में जिला केंद्रित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रबंध टोली की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव के दो दिवसीय प्रवास के अवसर पर संपन्न हुई।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी, दक्षिण असम प्रांत के संगठन मंत्री महेश भागवत, प्रांत अध्यक्ष नीहारेंदु धर, प्रांत सचिव डॉ. दीपंकर पाल सहित दक्षिण असम प्रांत शिक्षा विकास परिषद के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृत एवं संगीत शिक्षा कार्यशाला

अरुणाचल शिक्षा विकास समिति द्वारा संस्कृत भारती उत्तर-पूर्व के सहयोग से 21 से 25 मई 2025 तक पाँच दिवसीय संस्कृत एवं संगीत शिक्षा प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन प्रांतीय कार्यालय, पाचिन कॉलोनी, नाहरलगुन में किया गया।

कार्यशाला में श्री ताई तागक, संरक्षक, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर श्री मोहन कन्नन, क्षेत्र संगठन मंत्री, संस्कृत भारती उत्तर-पूर्व, श्री ग्यामर कासुंग, मंत्री, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति तथा श्री निपेन दत्ता, संगीत प्रमुख, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र उपस्थित रहे।

आचार्य दक्षता वर्ग एवं शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग

अरुणाचल शिक्षा विकास समिति द्वारा 5 से 13 जून 2025 तक श्री रंगफ्राह विद्या निकेतन, चांगलांग में आचार्य दक्षता वर्ग एवं शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में चांगलांग जिले के उपायुक्त श्री विशाल साह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री दीपक बोर्डे, प्रांत बौद्धिक प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अरुणाचल प्रदेश, श्रीमती जमुन लोंगरी, संयुक्त सचिव, श्री रंगफ्राह विद्या निकेतन, श्री ग्यामर कासुंग, सचिव, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति तथा श्री सुकुमारन के., प्रांत संयोजक, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति उपस्थित रहे। समापन सत्र में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष एवं चांगलांग उत्तर के विधायक श्री तेसम पोंगते मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मूल्याधारित शिक्षा के क्षेत्र में अरुणाचल शिक्षा विकास समिति के प्रयासों की सराहना की। समापन अवसर पर श्री मुनजोय खिमहुन, कार्यवाहक महासचिव, श्री रंगफ्राह फेथ प्रमोशन सोसायटी, श्री पंकज सिन्हा, संगठन मंत्री, विद्या भारती नागालैंड प्रांत, श्री कामजई तैसम, संयुक्त सचिव, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति तथा श्री सुकुमारन के., प्रांत संयोजक, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विद्या निकेतनों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सहित ईएमआरएस से कुल 47 शिक्षकों ने सहभागिता की।

वार्षिक साधारण सभा

अरूणाचल शिक्षा विकास समिति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 15 जुलाई 2025 को अबोतानी विद्या निकेतन, पाचिन, नाहरलगुन में किया गया।
बैठक में अरूणाचल शिक्षा विकास समिति के संरक्षक श्री ताई तागक, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री कमलेश कुमार सहित समिति की कार्यकारिणी (सत्र 2022–25) के सदस्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।
सभा में सर्वसम्मति से श्री निरी चोंग्रोवजु को वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही हेतु निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। इसके पश्चात सत्र 2025–2028 के लिए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया, जिसमें डॉ. जोरम अनिया को अध्यक्ष, श्री निरी चोंग्रोवजु एवं श्री कालिंग दाई को उपाध्यक्ष, श्री तुमगे लोलेन को सचिव तथा श्री पवन जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया।
बैठक में वर्ष 2024–25 का वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2024–25 की ऑडिट रिपोर्ट तथा वर्ष 2025–26 का बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे सभा द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

प्रांत प्रचार विभाग कार्यशाला का आयोजन

अरूणाचल शिक्षा विकास समिति द्वारा 11 एवं 12 अक्टूबर 2025 को प्रांतीय कार्यालय, पाचिन कॉलोनी, नाहरलगुन में दो दिवसीय प्रांत प्रचार विभाग कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में विद्यालय के प्रचार प्रमुखों ने भाग लिया।
कार्यशाला का उद्घाटन अरूणाचल शिक्षा विकास समिति के संरक्षक श्री ताई तागक द्वारा किया गया। क्षेत्र प्रचार विभाग संयोजक श्री विकाश शर्मा ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया।
कार्यशाला के मध्य सामाजिक माध्यमों के प्रभावी एवं सकारात्मक उपयोग, डिजिटल सामग्री निर्माण तथा नैतिक संप्रेषण से संबंधित विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

आचार्य गौरव सम्मान एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

अरूणाचल शिक्षा विकास समिति द्वारा 24 नवंबर 2025 को अबोतानी विद्या निकेतन, पाचिन, नाहरलगुन में आचार्य गौरव सम्मान एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, अरूणाचल शिक्षा विकास समिति के संरक्षक श्री ताई तागक, समिति की अध्यक्षा डॉ. जोरम अनिया, सचिव श्री तुमगे लोलेन तथा प्रांत संयोजक श्री सुकुमारन जी की उपस्थिति रही।

समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को राज्य बोर्ड एवं सीबीएसई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। कक्षा पाँच में अबोतानी विद्या निकेतन, पाचिन की हैई बोड़ो एवं ग्यामर निथिंग, कक्षा आठ में लितुमुक तुम्मुक विद्या निकेतन, हालेंग की मिम्सी नोपी तथा दोनी पोलो विद्या निकेतन, पासीघाट शहर की बिजुमन रूपनिया को सम्मान प्रदान किया गया। कक्षा दस (सीबीएसई) में केजीबीवी रायांग की यामंग यांगदा एवं केजीबीवी कियित की आइयिंग गमनो को सम्मानित किया गया। सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसके अतिरिक्त 25 वर्ष से अधिक सेवा प्रदान करने वाले आचार्यों, छात्रावास अधीक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें यान्या कार्लो, धनंजय शर्मा, विद्या कांत झा, कृष्ण जैश्य, लाल बहादुर देउरी तथा मनोज कुमार पासी शामिल रहे।

वार्षिक योजना बैठक

प्रांतीय वार्षिक योजना बैठक 22–23 मार्च को त्रिपुरेश्वरी विद्या मंदिर, गांधीग्राम में आयोजित हुई। दो दिवसीय इस बैठक में विद्या भारती के कार्यकारिणी सदस्य, अध्यक्ष, मंत्री, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं विषय संयोजक उपस्थित रहे।

बैठक के मुख्य अतिथि एमबीबी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिभाष देब रहे। बैठक का संचालन विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा के मंत्री श्री सुभाष गण चौधुरी ने किया तथा अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्षा प्रो. मिलन रानी जमातिया ने की।

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

पाँच दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन समारोह 15 मई को त्रिपुरेश्वरी विद्या मंदिर, गांधीग्राम में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण वर्ग 11 से 15 मई तक आयोजित किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दीपक शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा की अध्यक्षा प्रो. मिलन रानी जमातिया एवं मंत्री श्री सुभाष गणचौधुरी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रशिक्षण वर्ग में त्रिपुरा एवं मिजोरम से कुल 91 आचार्यों ने सहभागिता की।

एक राखी देश के नाम – Rakhi for Jawan

विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा द्वारा रक्षा बंधन के अवसर पर “एक राखी देश के नाम – Rakhi for Jawan” कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर त्रिपुरेश्वरी विद्या मंदिर एवं गांधीग्राम के विद्यार्थियों ने सीआरपीएफ के जवानों को राखी बांधकर स्नेह एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में सीआरपीएफ के कमांडेंट प्रभात कुमार सहित विद्या भारती के पदाधिकारी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों के इस भावपूर्ण प्रयास की सभी अतिथियों ने सराहना की। कार्यक्रम ने समाज और सुरक्षा बलों के बीच आत्मीय संबंध को और सुदृढ़ किया।

प्रांत कार्यकारिणी बैठक

माननीय गोविंद चंद्र महंत, संगठन मंत्री, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान तथा डॉ. पवन तिवारी, संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की उपस्थिति में विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा की प्रांत कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई।
बैठक में माननीय गोविंद चंद्र महंत ने भारत-केंद्रित शिक्षा पर प्रकाश डाला तथा त्रिपुरा प्रांत में शिक्षा के प्रसार में विद्या भारती की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

पंचपदी अधिगम पद्धति कार्यशाला

मेघालय के विभिन्न स्थानों पर पंचपदी अधिगम पद्धति कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। खासी हिल्स के विद्यालयों के लिए 7–8 जुलाई 2025 को शिलांग में, गारो हिल्स के विद्यालयों के लिए 29–30 जुलाई 2025 को आमपाती में तथा जयंतिया हिल्स के विद्यालयों के लिए 1–2 अगस्त 2025 को मुखला में कार्यशालाएँ संपन्न हुईं।

सभी कार्यशालाओं में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संयोजक श्री धर्मदेव ब्रह्मचारी एवं क्षेत्रीय प्रचार विभाग संयोजक श्री विकास शर्मा ने मार्गदर्शन किया। इसके अतिरिक्त शिलांग में आयोजित कार्यशाला में अखिल भारतीय कौशल विकास संयोजक श्री रोहित द्विवेदी ने कौशल विकास विषय पर विशेष सत्र लिया।

वार्षिक साधारण सभा

मेघालय शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा 26 अक्टूबर 2025 को शिलांग में आयोजित की गई। मेघालय शिक्षा समिति के नवीन सभागार का लोकार्पण डॉ. ब्रह्मदेव राम तिवारी, सचिव, मेघालय राज्यपाल, द्वारा किया गया। प्रो. सुमेन चक्रवर्ती, प्रांत मंत्री, ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष श्री अजय तिवारी ने 2024–25 का ऑडिट रिपोर्ट और 2025–26 का बजट प्रस्तुत किया।

डॉ. बबली चौधुरी, सह-मंत्री, विद्या भारती ने सभा को संबोधित करते हुए सप्त शक्ति संगम के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यकारिणी समिति के कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत, डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र, ने श्री बिमल बजाज को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया। श्री रिनोह्मो सुँगोह को मार्गदर्शक एवं प्रो. शांताराम जोशी को मेघालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से मनोनीत हुए।

सप्तशक्ति संगम कार्यशाला

श्री कांची कामकोटी विद्या भारती विद्यालय, शिलांग में 20 अगस्त 2025 को सप्तशक्ति संगम कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य आगामी सप्तशक्ति संगम कार्यक्रमों के लिए विद्यालयों को तैयार करना था।

कार्यशाला में डॉ. बबली चौधुरी, सह-मंत्री, विद्या भारती, एवं डॉ. मिलन रानी जमातिया, पूर्वोत्तर क्षेत्र संयोजक, सप्तशक्ति संगम, उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों और संरचना पर मार्गदर्शन दिया।

विद्वत परिषद बैठक

मेघालय शिक्षा समिति के विद्वत परिषद की बैठक केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग में आयोजित की गई। बैठक में डॉ. शंकर राय, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, विद्या भारती; प्रो. शांताराम जोशी, अध्यक्ष, विद्वत परिषद मेघालय; श्री योगेंद्र सिंह सिसोदिया, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य; एवं श्री प्रांजित पुजारी, प्रांत संयोजक, मेघालय शिक्षा समिति उपस्थित रहे।

छात्रावास लोकार्पण

गामादी विद्या भारती स्कूल धनसिरिपार में श्री तेमजेन इम्ना अलोंग, उच्च शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री, नागालैंड सरकार ने आज 19 अप्रैल को माइबिराम बालक छात्रावास और लाईरिदी बालिका छात्रावास का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महिला समाज में योगदान देने वाली पांच समर्पित वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानित किया गया।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

गामादी विद्या भारती स्कूल धनसिरिपार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक योगाभ्यास कर योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक महत्व को समझा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन

विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष मान. डी. रामकृष्ण जी के प्रवास के अवसर पर प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन किया गया। प्रवास के अंतर्गत उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध मे विषय रखा।

इस अवसर पर थाउबाल में संचालित बाल विद्या मंदिर का पुनः संचालन प्रारंभ किया। मणिपुर में हिंसा के पश्चात शिक्षण संस्थान लंबे समय से बंद चल रहे थे, ऐसे समय में विद्या भारती "स्कूल ऑन व्हील्स" के माध्यम से अनौपचारिक रूप से शिक्षा प्रदान कर रही थी। पुनः विद्यालय प्रारंभ होने पर विद्यार्थी कक्षाओं में सीधे शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। उनके साथ विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी भी विशेष रूप से सम्पूर्ण प्रवास में उपस्थित उपस्थित रहे।

'हेराचंद्र बालक छात्रावास' का लोकार्पण

बाल विद्या मंदिर, पैलेस कम्पाउंड में 29 अप्रैल 2025 को 'हेराचंद्र बालक छात्रावास' का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। इस अवसर पर मणिपुर के महाराजा एवं राज्यसभा सांसद महाराजा सनाजाओबा लिशेम्बा ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रावास का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री उल्लास कुलकर्णी, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत, मणिपुर सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव श्री एन. प्रवीन सिंह, एनपीसीसी लिमिटेड उत्तर-पूर्व क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री वाई.एल. सिंह तथा विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विद्यारंभ संस्कार

कालिंदी रानी विद्या मंदिर में 4 अप्रैल 2025 को विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2025–26 हेतु नवप्रवेशित भैया-बहनों, उनके अभिभावकों, विद्यालय के आचार्यगण एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।
इस अवसर पर नर्सरी, केजी-I, केजी-II, कक्षा-I, कक्षा-II, कक्षा-III एवं कक्षा-IV में कुल 129 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। विद्यारंभ संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन का संस्कारपूर्ण एवं मंगलमय शुभारंभ किया गया।

विद्यालय भवन भूमि पूजन कार्यक्रम

श्री मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत (गुजरात) के सहयोग से संचालित "351 सरस्वतीधाम" नव-निर्माण अभियान के अंतर्गत मंगल भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन 23 अक्टूबर 2025, बृहस्पतिवार को प्रातः 7 बजे कालिंदी रानी विद्या मंदिर, राजीव नगर, जिला मामित, मिजोरम में सम्पन्न हुआ।
भवन निर्माण में सहयोगी दाता के रूप में श्री धीरूभाई नारोला (नारोला जेम्स, सूरत, गुजरात) का विशेष योगदान रहा।

In the Press

दैनिक पूर्वोदय

हिंदी दिवस पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र ने किया 'ईशान्य विभा' का विमोचन

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 14 सितंबर

विद्या भारती पूर्वोत्तर की दो दिवसीय वार्षिक साधारण सभा आयोजित

गुवाहाटी : वार्षिक साधारण सभा के दौरान महानंद दास को पुरस्कार से सम्मानित करते पदाधिकारीगण

दैनिक पूर्वोदय

देशभक्त नागरिक बन भारत को उच्च शिखर पर ले जाने का लें संकल्प : दत्तात्रेय होसबोले

आरएसएस सरकार्यवाह ने किया सरस्वती विद्या मंदिर हाफलांग का अवलोकन

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की दो दिवसीय वार्षिक साधारण सभा आयोजित

प्रे.सं.गुवाहाटी, २४ जून

दैनिक पूर्वोदय

समुत्कर्ष महाशिविर के लिए भूमि पूजन

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 17 जनवरी।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा ईशान्य विभा का विमोचन

प्रे.सं.गुवाहाटी, १४ सितंबर

ईशान्य विभा

हिंदी दिवस विशेषांक

■ বিদ্যা ভাৰতী পূৰ্বোত্তৰ ক্ষেত্ৰৰ উদ্যোগ

সৰুসজাইত 'সমুৎকৰ্ষ মহাশিবিৰ'

দৈনিক অসমৰ বাতৰি

গুৱাহাটী, ২৮ জানুৱাৰী

दैनिक पूर्वोदय

समुत्कर्ष महाशिविर के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ

गुवाहाटी, 25 जनवरी (पू.सं.)।

समुत्कर्ष महाशिविर

मुख्य कार्यालय

সমুৎকৰ্ষ মহাশিবিৰৰ সামৰণী অনুষ্ঠানত অংশগ্ৰহণ ড° শৰ্মাৰ

মুখ্যমন্ত্ৰীৰ উপস্থিতিত ৮ হাজাৰ শিক্ষাৰ্থীৰ ঘোষ বাদ্য-এহাজাৰৰ বিহু নৃত্য

সাম্প্ৰতিক সময়ত এনে শিক্ষাৰ প্ৰয়োজন যি শিক্ষাই শিক্ষাৰ্থীসকলক স্বাভিমানী-স্বাৱলম্বী কৰি এক মহান ভাৰতীয় হিচাপে গঢ়ি তুলিব পাৰে ঃ মুখ্যমন্ত্ৰী

দৈনিক পূৰ্বোদয়

सरुसजाई स्टेडियम में समुत्कर्ष महाशिविर 29 से

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 20 जनवरी।

SAMUTKARSH MAHASHIVIR

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 18 जनवरी।

Vidya Bharati's Samutkarsha Maha Shibir: A grand initiative

GUWAHATI, JAN 20: Vidya Bharati has been playing a pioneering role in the educational landscape of India for several decades.

বিদ্যা ভাৰতী পূৰ্বোত্তৰ ক্ষেত্ৰৰ প্ৰধানাচাৰ্য সন্মিলনৰ শুভাৰম্ভণি

दैनिक पूर्वोदय

आनंद निकेतन ट्रस्ट कालीपुर का स्वर्ण जयंती वर्ष

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 11 नवंबर। नीलाचल की तलहटी में ब्रह्मपुत्र से सटे ऐतिहासिक आनंद निकेतन ट्रस्ट कालीपुर ने इस

विद्या भारती राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

বিদ্যা ভাৰতী পূৰ্বোত্তৰ ক্ষেত্ৰৰ প্ৰধানাচাৰ্য সন্মিলন

'আমাৰ অসম'ৰ মহানগৰ সংবাদ, ১৫ নৱেম্বৰ

ভাৰতী পূৰ্বোত্তৰ ক্ষেত্ৰৰ প্ৰধানাচাৰ্য সন্মিলনৰ শুভাৰম্ভণি

Educator Yanya Karlo honoured with Janjatiya Gaurav Samman

...and indigenous communities. The award was bestowed on Karlo during the Kshetra Pradhanacharyas Sammelan held in Hojai, Assam, on the occasion of Dharti Aba Bhagwan Birsa Munda Jayanti. The award was presented by general secretary of Vidya Bharati, Avneesh Bhatnagar, in the presence of over 650 pradhanacharyas, karyakartas and...

HOJAI, Nov 17:

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के तीन दिवसीय प्रधानाचार्य सम्मेलन का समापन

पंकज नाथ,

आदिवासी एक्सप्रेस, असम

Preparatory meeting for Samutkarsha Mahashibir held

GUWAHATI, DEC 30: Preparations are in full swing for the grand three-day Samutkarsha Mahashibir, organized by Vidya Bharati Purvottar Kshetra, scheduled to be held from January 29 to 31, 2025.

Assam Guv Lakshman Prasad Acharya to inaugurate *Samutkarsh Mahashivir*

GUWAHATI, JAN 19: Preparations for the Samutkarsh Mahashivir, organized by Vidya Bharati North-East Region from January 29 to 31, 2025, at Sarusajai Stadium in Guwahati, are in full swing.

दैनिक पूर्वोदय

समुत्कर्ष महाशिविर का शुभारंभ करेंगे राज्यपाल

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 18 जनवरी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 29 से 31 जनवरी तक सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित होने वाले समुत्कर्ष महाशिविर की तैयारियां जोरों पर हैं।

विद्या भारती

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

Sankul Samvad

ISSN-2321-3981
सचित्र प्रेरक बाल मासिक
देवपुत्र

राष्ट्रीय शिक्षा
सा विद्या या विमुक्तये

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

VIDYA BHARATI
Purvottar Kshetra